**International Journal of Advanced Education and Research**
**ISSN: 2455-5746**
**Impact Factor: RJIF 5.34**
**www.alleducationjournal.com**
**Volume 2; Issue 5; September 2017; Page No. 72-75**

# सोशल साइट का विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

**प्रदीप कुमार वर्मा, मनोज कुमार**
असि0 प्रो0, सीताराम सर्मपण महाविद्यालय, नरैनी, बॉदा, उत्तर प्रदेश, भारत।

## प्रस्तावना

सोशल साइट एक शांतिपूर्ण परिवर्तन सीखने सिखाने तथा भविष्य की पीढ़ियों को तैयार करने के क्षेत्र में विश्व–व्यापक स्तर पर नई सार्थक उपलब्धि है। कहा जाता है कि अब वह समय आ गया है जब सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की मस्तिष्क की होगी जो दिमाग का सही उपयोग कर सकेगा। बड़े स्तर पर वैश्वीकरण को ध्यान में रखते हुये वही देश एवं पीढ़ी सफल होगी तथा जिसकी शिक्षा I.C.T. से परिपूर्ण होगी। केवल स्कूल कालेज में मिलने वाले ज्ञान की सीमा बंधी न होकर स्वयं समाज और विश्व के बीच समरसता का आधार बनाकर प्राप्त की गई होगी, ऐसी शिक्षा के लिये Information Communication – जमबीदवसवहल के उपयोग की सर्वाधिक आवश्यकता है।

वर्तमान समय में I.C.T. का जो विस्तृत व सहज रूप उपलब्ध है वह विद्यार्थियों में वे जीवन मूल्यों व कौशलों को प्रदान नहीं करते, जो उन्हें प्रौढ़ जीवन में पग–पग पर समस्याओं का समाधान करने तथा निर्णय लेने की क्षमता दे सकें। I.C.T. जिसका हिस्सा इण्टरनेट हब है ने विद्यार्थियों की जीवन शैली में समूल परिवर्तन कर दिया है जिसके परिणाम स्वरूप आज वे अपने आप को उत्तरोत्तर आकर्षक और जीवन चर्या को और अधिक आराम दायक बनाने का प्रयत्न करते हैं। युवा पीढ़ी I.C.T. का उपयोग न करके अपनी शक्ति, क्षमता व सामर्थ्य को भूलते जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप देश को अपने असीमित साहस व क्षमता से नयी दिशा प्रदान कर सफल नहीं हो पायेगें।

भारत में सोशल साइट (Facebook, WhatsApp, Email) आदि का प्रभाव बढ़ता ही जा रहा है जिससे विद्यार्थियों पर सकारात्मक के साथ–साथ नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है इन नकारात्मक प्रभावों के प्रति लोगों का सचेत होना बहुत जरूरी है। इण्टरनेट हब के द्वारा विद्यार्थियों को अनेक प्रकार की जानकारियां प्राप्त होती है ये क्षेत्र निम्नवत् है–व्यापार, खेल–जगत, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, विदेश, रक्षा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, फिल्म, मनोरंजन, अपराध, सामाजिक घटनाएं आदि जिनके बारे में केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं होता है। अतः सोशल साइट विद्यार्थियों के ज्ञान क्षेत्र को विस्तृत बनाते हैं यह ज्ञान कुछ हद तक तो उचित है किन्तु कुछ हद तक अनुचित भी है।

विद्यार्थी वर्ग पर इण्टरनेट हब का उनके बहुमुखी व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? एवं उस प्रभाव से उनके जीवन शैली किस प्रकार परिवर्तित हो रही है? यह परिवर्तन उसके लिये लाभप्रद है या नहीं? इन विभिन्न प्रश्नों का हल करने के संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन इसी आवश्यकता का ही परिणाम है। प्रस्तुत शोध में '' सोशल साइट का विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन'' का अध्ययन किया जायेगा।

## समस्या कथन

प्रस्तावित लद्युशोध प्रबन्ध में समस्या को निम्नांकित ढंग से लिखा जायेगा–'' सोशल साइट का विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।''

## शोध में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण

### इण्टरनेट

वर्तमान समय में अधिकांश विद्यार्थी इण्टरनेट का प्रयोग करते हैं। जिसके अनेक सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव सामने आते हैं। इण्टरनेट का प्रयोग करने के लिये कम्प्यूटर एवं उच्च गुणवत्ता के एण्ड्रायड मोबाइल फोन का उपयोग किया जाता है जिसमें दुनियॉ के सभी कम्प्यूटर एक नेटवर्किंग द्वारा जुड़े रहते है और सूचनाओं को आदान–प्रदान किया जाता है।

### WhatsApp

WhatsApp 19, feb 2014 को संदेश भेजने के लिये उपयोगकर्ता को एक मोबाइल आवेदन है जो Android Phone पर सफल पूर्वक कार्य करता है। इसका श्रेय Koum को जाता है जिसने अपने दोस्त Chris peiffer की सहायता से संदेश भेजने की सेवाओं में क्रांति ला दी। आजकल त्वरित संदेश भेजने के लिये स्मार्टफोन उपयोगकर्ता के लिये एक लोकप्रिय मोबाइल आवेदन है। इसके अलावा बुनियादी पाठ संदेशों WhatsApp से मुक्त कराने के लिये असीमित Multimedia संदेशों का आदान–प्रदान करने के लिये सक्षम बनाता है।

### Facebook

फेसबुक एक सोसल साइट्स है जो फरवरी 2004 में स्वामित्त में आया। डंता ंनबामतइमतह और उसके दोस्त जो हार्वड विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे थे के सहयोग से इसकी खोज की। शुरू में यह हार्वड विश्वविद्यालय के संस्थापकों एवं छात्रों द्वारा सीमित का किन्तु बाद में अन्य कालेजों के लिये विस्तार किया गया था। वोस्टन क्षेत्र आइवीलीग और धीरे–धीरे कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका, निगमों में, अधिकांश विश्वविद्यालयों और सितम्बर 2006 तक एक समूह के साथ बनाने के लिये 13 साल की उम्र और बड़ी उम्र के हर किसी के लिये एक मान्य Email एकाउण्ट किया जाने लगा।

आज फेसबुक ने विद्यार्थी वर्ग पर एक क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिला है। विद्यार्थी वर्ग जब देखों तो फेसबुक में ही अपना अधिक से अधिक समय व्यतीत करता है तथा देश–विदेश की जानकारियां प्राप्त कर अपने ज्ञान को बढ़ाने में लगा हुआ। जहां एक शिक्षा ग्रहण करने में पुस्तकें की जरूरत पड़ती है वही विद्यार्थी

वर्ग इसके माध्यम द्रुतगति से इन सूचनाओं का आदान–प्रदान कर रहा है।

### ई–मेल (Email)

त्ंल ज्वउसपदेवद ने सर्वप्रथम म्उंपस का प्रयोग किया। ई–मेल को Electronic Mail भी कहते है इसमें Computer के माध्यम से दूर–बैठे लोगों पर ऑन लाइन चैटिंग और अपने अभिलेखों का आसानी से आदान–प्रदान करते है। एक समय था जब हमें सूचनायें प्राप्त करने या देने के लिये लम्बे समय का इंतजार करना पड़ता था परन्तु आज के इस वैज्ञानिक युग में I.C.T. ने चारों तरफ अपनी तरक्की के पैर जमा दिये है जिसकी वजह से पलक झपकते ही Internet के माध्यम से हमें सम्पूर्ण जानकारी मिल जाती है।

### व्यक्तित्व (Personality)

व्यक्तित्व शब्द का प्रयोग साधारण बातचीत के दौरान बहुतायत से किया जाता है। साधारण बातचीत में प्रयुक्त व्यक्तित्व शब्द किसी ऐसे गुण या विशेषता को इंगित करता है जिसे सभी व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों में व्यवहार करने तथा पारस्परिक सम्बंधों की दृष्टि से विशेष महत्व देते हैं। व्यक्तित्व शब्द के अंग्रेजी पर्याय Personality का शाब्दिक अर्थ है भी व्यक्ति के बाह्य आचरणों को इंगित करता है। Personality शब्द लैटिन भाषा के Persona (पर्सोना) शब्द से बना है जिसका अर्थ मुखौटा होता है। वास्तव में व्यक्त्वि एक ऐसी अपरोक्ष विशेषता है जिसे विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने अपने अलग–अलग ढंग से देखा तथा परिभाषित किया है।

### गिलफोर्ड के अनुसार

व्यक्तित्व गुणों का समन्वित रूप है।'' (Personality in an integrated pattern of traits)

### आलपोर्ट के अनुसार

व्यक्तित्व व्यक्ति के अन्दर उन मनोशारीरिक गुणों का गत्यात्मक संगठन है जो वातावरण के साथ उसका एक अनूठा समायोजन स्थापित करते है।''

(''Personality in the dynamic organization within the individual of those psycho - physical system that determine his unique adjustment to his environment'')

### विद्यार्थी

इस अध्ययन में विद्यार्थियों से तात्पर्य उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् कक्षा 11 के छात्र–छात्राओं से है ।

### प्रभाव

प्रस्तावित लद्युशोध प्रबन्ध में प्रभाव से तात्पर्य सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभावों से है।

### अध्ययन के उद्देश्य

''सोशल साइट का विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।''

### अन्य उद्देश्य

1. सोशल साइट का विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
2. सोशल साइट का विद्यार्थियों के परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
3. सोशल साइट का विद्यार्थियों के साथी समूह (Peergroup) में पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
4. सोशल साइट का विद्यार्थियों के शैक्षिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
5. सोशल साइट का विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
6. सोशल साइट का विद्यार्थियों के सांस्कृतिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
7. सोशल साइट का का विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन।
8. सोशल साइट का विद्यार्थियों के भावनात्मक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

### अध्ययन के चर

प्रस्तावित लद्युशोध प्रबन्ध में निम्नलिखित चर –

स्वतंत्र चर– सोशल साइट

आश्रित चर– बहुमुखी व्यक्तित्व (All Round Development)

### अध्ययन की परिकल्पनायें

प्रस्तावित लद्युशोध प्रबन्ध में परीक्षण हेतु परिकल्पनाओं को निम्नवत ढंग से लिखा जा सकता है–

1. सोशल साइट का विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. सोशल साइट का विद्यार्थियों के परिवार पर पड़ने वाले में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. सोशल साइट का विद्यार्थियों के साथी समूह (Peergroup) में पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. सोशल साइट का विद्यार्थियों के शैक्षिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
5. सोशल साइट का विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
6. सोशल साइट का विद्यार्थियों के सांस्कृतिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
7. सोशल साइट का का विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
8. सोशल साइट का विद्यार्थियों के भावनात्मक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

### अध्ययन का परिसीमांकन

प्रस्तावित शोध कार्य में बांदा जिले की अतर्रा तहसील के 5 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 11 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को लिया जायेगा। चयनित विद्यालय निम्नांकित है–

1- सहोदिया देवी इण्टर कालेज, खटौरा (कुसुमा) अतर्रा
2- तथागत ज्ञान स्थली हायर सेकण्डरी स्कूल, अतर्रा
3- श्रीमती बूटूबाई आवासीय विद्यालय, ओरन रोड, अतर्रा
4- ब्रह्म विज्ञान इण्टर कालेज, अतर्रा
5- सरस्वती इण्टर कालेज, अतर्रा

जिसमें से प्रत्येक विद्यालय में से 10 छात्र एवं 10 छात्राओं को सम्मिलित किया जायेगा।

### शोध विधि

प्रस्तावित लद्युशोध प्रबन्ध में शोधार्थी द्वारा सर्वेक्षण विधि की वर्णानात्मक विधि का प्रयोग किया जायेगा।

### अध्ययन में प्रयुक्त जनसंख्या
प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध में बांदा जिला के तहसील अतर्रा के 05 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 11 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को लिया जायेगा।

### प्रस्तावित शोध अध्ययन में न्यायदर्श
प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध में बांदा जिला के तहसील अतर्रा के पॉच उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों को लिया जायेगा। जिसमें 02 समूह होंगे–

- 50 छात्र (प्रत्येक विद्यालय से 10–10 छात्र)
- 50 छात्रायें (प्रत्येक विद्यालय से 10–10 छात्रायें)

### प्रस्तावित शोध अध्ययन में न्यायदर्श का चयन
प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध में न्यायदर्श का चयन 'सम्भाव्यता प्रतिदर्श' के अन्तर्गत आने वाली 'स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन विधि' द्वारा किया जायेगा।

### प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध में चयनित उपकरण
प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध में 'स्वनिर्मित निर्धारण मापनी' का प्रयोग किया जायेगा।

### सांख्यिकीय प्रविधियाँ
प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध में प्रदत्तों का विश्लेषण करने के लिये प्रदत्तों के अनुकूल सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया जायेंगा।

**सारणी 1**

| क्र.सं. | विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व से संबंधित शून्य परिकल्पनायें | क्रांतिक अनुपात | परिणाम |
|---|---|---|---|
| 1 | सामाजिक मूल्य | 1.09 | अन्तर असार्थक परिकल्पना स्वीकार |
| 2 | पारिवारिक | 4.42 | सार्थक परिकल्पना अस्वीकार |
| 3 | पियरग्रुप | 3.04 | सार्थक परिकल्पना अस्वीकार |
| 4 | शैक्षिक मूल्य | 4.66 | सार्थक परिकल्पना अस्वीकार |
| 5 | आर्थिक मूल्य | 0.19 | अन्तर असार्थक परिकल्पना स्वीकार |
| 6 | सांस्कृतिक मूल्य | 0.13 | अन्तर असार्थक परिकल्पना स्वीकार |
| 7 | धार्मिक मूल्य | 1.49 | अन्तर असार्थक परिकल्पना स्वीकार |
| 8 | भावनात्मक मूल्य | 4.280 | सार्थक परिकल्पना अस्वीकार |

### निष्कर्ष एवं सुझाव
#### परिकल्पना–1
- सोशल साइट का छात्र तथा छात्राओं सामाजिक मूल्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है लेकिन छात्रों का मध्यमान छात्राओं की तुलना में अधिक है अतः इससे स्पष्ट होता है छात्राओं की अपेक्षा छात्रों के सामाजिक मूल्यों पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

#### परिकल्पना–2
- सोशल साइट का छात्र एवं छात्राओं के परिवार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के परिवार के मध्य सार्थक अन्तर है लेकिन छात्राओं का मध्यमान छात्रों की तुलना में अधिक है अतः इससे यह सिद्ध होता है कि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं के परिवार पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

#### परिकल्पना–3
- सोशल साइट का छात्र एवं छात्राओं के पियरग्रुप पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के पियरग्रुप के मध्य सार्थक अन्तर है लेकिन छात्रों का मध्यमान छात्राओं की तुलना में अधिक है अतः इससे सिद्ध होता है कि छात्राओं की अपेक्षा छात्रों के पियरग्रुप पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

#### परिकल्पना–4
- सोशल साइट का छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक मूल्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के शैक्षिक मूल्यों के मध्य सार्थक अन्तर है लेकिन छात्राओं का मध्यमान छात्रों की तुलना में अधिक है अतः इससे यह सिद्ध होता है कि छात्राओं की अपेक्षा छात्रों के शैक्षिक मूल्यों पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

#### परिकल्पना–5
- सोशल साइट का छात्र एवं छात्राओं के आर्थिक मूल्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों के मध्य सार्थक अन्तर है लेकिन छात्रों का मध्यमान छात्राओं की तुलना में अधिक है। अतः इससे यह सिद्ध होता है कि छात्राओं की अपेक्षा छात्रों के आर्थिक मूल्यों पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

#### परिकल्पना–6
- सोशल साइट का छात्र एवं छात्राओं के सांस्कृतिक मूल्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के सांस्कृतिक मूल्यों के मध्य सार्थक अन्तर है लेकिन छात्राओं का मध्यमान छात्रों की तुलना में अधिक है। अतः इससे सिद्ध होता है कि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं के सांस्कृतिक मूल्यों पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

#### परिकल्पना–7
- सोशल साइट का छात्र एवं छात्राओं के धार्मिक मूल्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों के मध्य सार्थक अन्तर है लेकिन छात्राओं का मध्यमान छात्रों की तुलना में अधिक है अतः इससे सिद्ध होता है कि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं के धार्मिक मूल्यों पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

### परिकल्पना–8

- सोशल साइट का छात्र एवं छात्राओं के भावनात्मक मूल्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल साइट एवं विद्यार्थियों के भावनात्मक मूल्यों के मध्य सार्थक अन्तर है लेकिन छात्रों का मध्यमान छात्राओं की तुलना में कम है। अतः इससे सिद्ध होता है कि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं पर भावनात्मक मूल्यों पर प्रभाव अधिक पड़ता है।

### निष्कर्ष

1. सोशल साइट ने एक तकनीकी युग का निर्माण किया है।
2. सोशल साइट के द्वारा ज्ञान प्राप्ति के लिये एक विस्तृत क्षेत्र प्राप्त हुआ है।
3. सोशल साइट के द्वारा देश–विदेश की संस्कृतियों, रीति–रीवाजों एवं परम्पराओं की जानकारी प्राप्त होती है।
4. सोशल साइट से समाज को एक नवीन रूप प्राप्त हुआ है।
5. सोशल साइट से विद्यार्थियों को उनके अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करते है।
6. सोशल साइट विद्यार्थियों में आत्म–विश्वास विकसित करते है।
7. सोशल साइट विद्यार्थियों की योग्यताओं एवं क्षमताओं के पूर्ण विकास में सहायक है।
8. सोशल साइट संस्कृति के हस्तान्तरण में सहायक है।

उपरोक्त सकारात्मक प्रभाव प्राप्त करते हुये शोधार्थी इस निष्कर्ष पर पहुंचा, कि ये सकारात्मक प्रभाव तभी प्राप्त होगें जब हम इन सोशल साइट का विवेकपूर्ण, उचित सदुपयोग करेंगे अन्यथा इसके दुष्परिणाम भी विद्यार्थियों के एवं देश के भविष्य के लिये हानिकारक हो सकते।

### शैक्षिक निहितार्थ

1. विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर Facebook और Internet ने जहां एक ओर प्रभावित करते हैं वही दूसरी ओर इसके उपयोग से समाज में होने वाली घटनाओं व विकृतियों में तुरन्त सूचनायें प्राप्त करने में ये Social Sites बहुत ही प्रभावी साबित हुई है।
2. विद्यार्थियों के शैक्षिक मूल्यों को ये Social Sites ने बहुत नया रूप प्रदान किया है आज ये विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में नवीन ज्ञान से परिचित कराने में अहम भूमिका निभा रहे हैं अगर इनका सही तरीके से उपयोग किया जाये।
3. आज का तकनीकी युग पूर्णतः संचार एवं सूचना के क्षेत्र में क्रांति ला दी है जिससे छात्रों की सांस्कृतिक मूल्यों का ह्रास होता है जा रहा है अगर इनका सही रूप से उपयोग न किया गया तो विद्यार्थीगण अपनी संस्कृति को खो देगें।
4. Facebook और WhatsApp में जहां विद्यार्थी अपना ज्यादा से ज्यादा समय इनमे व्यतीत करते है जबकि इसमें अत्याधिक प्रयोग पर रोक लगा देनी चाहिए और यथाउचित प्रयोग पर बल दिया जाये ताकि इनका सदुपयोग करके विद्यार्थी की शैक्षिक गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिले।
5. Facebook, WhatsApp और Internet का प्रयोग आज के क्षेत्रों में छात्रों से अधिक से अधिक प्रयोग करवाया जाये ताकि इस नयी तकनीकी का सभी छात्र लाभ उठा सकें।

### भावी शोध हेतु सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा सोशल साइट का विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। इस विषय पर निम्न बिन्दुओं पर अग्रिम अध्ययन किया जा सकता है।

1. इस विषय पर छात्र एवं छात्राओं के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
2. विभिन्न जाति वर्ग के छात्र एवं छात्राओं का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
3. भिन्न आर्थिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
4. विद्यार्थियों पर सोशल साइट के प्रभाव पर अभिवावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन किया जा सकता है।
5. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों पर सोशल साइट के प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है।

### सन्दर्भ ग्रन्थ सूची


1. गुप्त, एस0पी0: सांख्यिकीय विधियां, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, संस्करण 2002
2. राय, पारसनाथः अनुसंधान परिचय लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, संजय प्लेट आगरा, संस्करण 1993
3. डॉ0 सिंह रामपालः शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकीय, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–7, संस्करण 2007–08
4. डॉ0 बुच एम0बी0: सर्वे आफ रिसर्च इन एजूकेशन 1972–78
5. डॉ0 बुच एम0बी0: सर्वे आफ रिसर्च इन एजूकेशन 1983–88
6. पत्र–पत्रिकाऐंः दैनिक जागरण एवं इण्डिया टुडे
7. शर्मा आर0ए0: शिक्षा अनुसंधान मेरठ, लाल बुक डिपो मेरठ 2000
8. वेस्ट जान डब्ल्यू: रिसर्च इन एजुकेशन नई दिल्ली प्रिंटिग हाल ऑफ इण्डिया 1963
9. सिंह अरूण कुमारः शिक्षा एवं मनोविज्ञान अनुसंधान पटना, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन 2006
10. Facebook. Facebook data team: Papers. Palo Alto, CA: Facebook. Retrieved from http://www.facebook.com/data data sk app, 2011a.